भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 594
22.07.2026 को उत्तर देने के लिए

आधिकारिक सांख्यिकीय जानकारी का संग्रहण और प्रकाशन

594. श्री धर्मबीर सिंहः

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या आधिकारिक सांख्यिकीय जानकारी का समय पर संग्रहण और प्रकाशन सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त तंत्र विद्यमान हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का डेटा की गुणवत्ता, पारदर्शिता और डिजिटल निगरानी प्रणालियों को सुदृढ़ करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या इन उपायों के कार्यान्वयन के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), योजना मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संस्कृति मंत्रालय राज्य मंत्री (राव इंद्रजीत सिंह)

(क) से (ग): सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने आधिकारिक आंकड़ों के समय पर संग्रहण और प्रकाशन को सुनिश्चित करने के लिए सुव्यवस्थित तंत्र स्थापित किए हैं। आधिकारिक आंकड़ों के समय पर संग्रहण और प्रकाशन को सुनिश्चित करने के लिए लागू कुछ तंत्रों का विवरण निम्न है।

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षणों (एनएसएस) के लिए प्राथमिक डेटा संग्रहण कंप्यूटर असिस्टेड पर्सनल इंटरव्यू (सीएपीआई) और ई-सिग्मा प्रणाली जैसे डिजिटल प्लेटफार्मों पर किया जाता है, जिसमें अंतर्निहित सत्यापन जांच, वास्तविक समय डेटा निगरानी, एआई-सक्षम चैटबॉट, और बहुभाषी इंटरफेस शामिल हैं। ऐसे डिजिटल प्लेटफॉर्मों का उपयोग डेटा संग्रह के चरण में निरंतरता सुनिश्चित करता है और सर्वेक्षण डेटा को वास्तविक समय में जमा करने और सत्यापन करने में सुविधा प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, एकत्रित किए गए आंकड़ों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उच्च स्तरीय अधिकारियों द्वारा भौतिक जांच और निरीक्षण की प्रक्रिया के साथ फील्ड स्टाफ का नियमित प्रशिक्षण निर्धारित मानदंडों के अनुसार निरंतर किया जाता है । इन पहलों से डेटा की गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ है और सर्वेक्षण डेटा जारी करने में लगने वाला समय 8-9 महीने से घटकर 45-90 दिन हो गया है। अब वार्षिक सर्वेक्षण के परिणाम

90-120 दिनों के भीतर जारी कर दिए जाते हैं; तिमाही परिणाम 45-60 दिनों के भीतर और मासिक परिणाम सर्वेक्षण पूर्ण होने के 15-30 दिनों के भीतर जारी किए जाते हैं।

इसी प्रकार, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के लिए मूल्य डेटा को नई सीपीआई श्रृंखला (आधार वर्ष 2024) के तहत सीएपीआई प्रणाली के माध्यम से एकत्र किया जाता है, जिसमें डेटा की गुणवत्ता, निगरानी, पारदर्शिता और समयबद्धता को सुदृढ़ करने के लिए वास्तविक समय सत्यापन जांच, जियो-टैगिंग और अभियुक्तियों का समय-अंकन शामिल किया जाता है। इसी प्रकार, राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी (एनएएस) के अनुमानों को राष्ट्रीय लेखा प्रणाली 2008 (एसएनए 2008) के अनुसार संकलित और संशोधित किया जाता है, जिसमें विभिन्न प्रशासनिक डेटा आधारित और प्रतिदर्श सर्वेक्षणों से प्राप्त नवीनतम उपलब्ध आंकड़ों का उपयोग किया जाता है। इसी प्रकार, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के समय पर संग्रहण और प्रकाशन को सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त तंत्र उपलब्ध हैं। प्रत्येक माह की 21 तारीख तक डेटा स्रोतों से मासिक डेटा एकत्र किया जाता है। समयबद्धता और प्रतिक्रिया दर में सुधार के लिए नियमित रूप से फॉलो-अप किया जाता है। आईआईपी के संकलन के लिए, डेटा की गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए सत्यापन और निरंतरता संबंधी जांच की जाती है।

इसके अतिरिक्त, एमओएसपीआई अग्रिम रिलीज कैलेंडर (एआरसी) के माध्यम से सांख्यिकीय उत्पादों/प्रकाशनों का समयबद्ध प्रसार सुनिश्चित करता है एवं जवाबदेही बदाता है, जिसे मंत्रालय की वेबसाइट पर रखा जाता है और आधिकारिक सांख्यिकीय प्रकाशनों के प्रकाशन को जारी करने के लिए इसका पालन किया जाता है।

एमओएसपीआई के संशोधित माइक्रोडाटा पोर्टल के माध्यम से पारदर्शिता और सार्वजनिक जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए, अनामिकृत इकाई-स्तरीय सर्वेक्षण डेटा को उपलब्ध कराया जाता है,जिससे शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं, और अन्य हितधारकों को साक्ष्य-आधारित अनुसंधान और नीति निर्माण के लिए आधिकारिक आंकड़ों तक पहुंचने, उनका विश्लेषण करने और उनका उपयोग करने में सक्षम बनाता है।

एमओएसपीआई ने भी डेटा उपयोगकर्ता को सम्मेलनों, परामर्शों, कार्यशालाओं और प्रतिक्रिया तंत्रों के माध्यम से हितधारकों की सहभागिता को सुदृढ़ किया है, जबकि एमओएसपीआई की संशोधित वेबसाइट, जीओआईस्टैट्स मोबाइल एप्लिकेशन, ई-सांख्यिकी पोर्टल, माइक्रोडाटा पोर्टल और डेटा विनिमय के लिए एपीआई जैसे डिजिटल प्लेटफार्मों ने डेटा तक पहुंच और उसके प्रसार को बढ़ाया है।

*****